



Literacy for a Billion

Movie: Patthar Ke Phool

Year: 1991

तुमसे जो देखते ही प्यार हुआ  
ज़िन्दगी में पहली बार हुआ  
हे ...

तुमसे जो देखते ही प्यार हुआ  
ज़िन्दगी में पहली बार हुआ

तुम इतने दिन थी कहाँ  
मैं ढूँढ़ता ही रहा  
कहाँ

कभी लिंकिंग रोड  
कभी वार्डन रोड  
कभी कैडल रोड  
कभी पेडर रोड

तुमसे जो देखते ही प्यार हुआ  
ज़िन्दगी में पहली बार हुआ

तुम इतने दिन थी कहाँ  
मैं ढूँढ़ता ही रहा  
कहाँ

कभी लिंकिंग रोड  
कभी वार्डन रोड  
कभी कैडल रोड  
कभी पेडर रोड

ला ला ला ...

रु रु रु ...

हा हा हा ...

पा पा पा ...

Song: Tumse Jo Dekhte Hi Pyar Hua

Lyricist: Rawinder Rawal

कितने कूचे गलियाँ छानी  
मेरे दिल ने एक ना मानी  
कितने कूचे गलियाँ छानी  
मेरे दिल ने एक ना मानी  
कहाँ कहाँ पर तुझको ढूँढ़ा  
तेरे लिए मैं हुई दीवानी  
फिर भी ना तेरा दीदार हुआ  
यार मेरे ऐसा कई बार हुआ  
ए ...

फिर भी ना तेरा दीदार हुआ  
यार मेरे ऐसा कई बार हुआ

पर तुम इतने दिन थी कहाँ  
मैं ढूँढ़ता ही रहा  
कहाँ

कभी टरनर रोड  
कभी कारटर रोड  
कभी चर्नी रोड  
कभी आर्थर रोड

प्रेम पहेली ऐसी उलझी  
ज़ोर लगाया पर ना सुलझी  
प्रेम पहेली ऐसी उलझी  
ज़ोर लगाया पर ना सुलझी

प्यार पे कोई ज़ोर नहीं है  
दिल में कोई और नहीं है  
तेरे लिए दिल बेज़ार हुआ  
यार मेरे ऐसा कई बार हुआ



Literacy for a Billion

ए ...  
तेरे लिए दिल बेज़ार हुआ  
यार मेरे ऐसा कई बार हुआ  
पर तुम इतने दिन थी कहाँ  
मैं ढूँढ़ता ही रहा  
कहाँ  
कभी पेरी रोड  
कभी पाली रोड  
कभी मीरा रोड  
घोड़बंदर रोड  
  
ऊपरवाले की है माया  
उसने हमको ख़ूब मिलाया  
हाँ ...  
ऊपरवाले की है माया  
उसने हमको ख़ूब मिलाया  
भूले भटके आज मिले हैं  
देखो कितने फूल खिले हैं  
जाने दो जो अब तक यार हुआ

मिलते ही अब इक़रार हुआ  
हे ...  
जाने दो जो अब तक यार हुआ  
मिलते ही अब इक़रार हुआ  
  
चलते हैं दोनों वहाँ  
मत पूछो अब तुम कहाँ  
पर कहाँ  
लिंकिंग रोड  
कभी वार्डन रोड  
टंगस्टन रोड  
लेमिंगटन रोड  
कैडल रोड  
कभी पेडर रोड  
चर्नी रोड  
कभी आर्थर रोड  
टरनर रोड  
कभी कारटर रोड  
ला ला ला ...

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*